



HILLRIDGE INVESTMENTS LIMITED

Regd. Office : 203, Aman Chamber, Pusa Road, Rajendra Place Metro Station, New Delhi-110060
Email : hillridgeinvest@gmail.com, Website : hillridgeinvestments.in, CIN : L65993DL1980PLC010757
Tel. : +91-11-25756902, Mob. : +91-9871810847

Date: - 11-11-2018

To,
The Head-Listing & Compliances
Metropolitan Stock Exchange of India Limited
Vibgyor Towers, 4th floor, Plot No C 62, G - Block,
Opp. Trident Hotel, Bandra Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai – 400098

Sub: - Filing of clipping of the Unaudited Financial Results published in the newspaper for the quarter ended on 30.09.2018 as per SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. (Symbol-HILLRIDGE)

Dear Sir,

In terms of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find attached herewith copies of News Papers- Dainik Mahalakshmi Bhagyodaya (Hindi News Paper) and Money Makers (English News Paper) dated 11.11.2018 in which Unaudited Financial Results of the company has been published for the quarter & half year ended on 30.09.2018, as approved by the Board of Directors of the company in their meeting held on 10.11.2018.

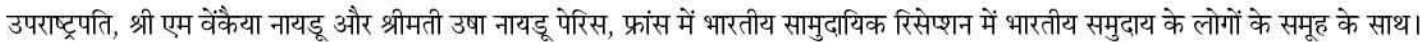
You are requested to take on your records and acknowledge the same.

For Hillridge Investments Limited

Mehak Arora
(Managing Director)
DIN: 06798853

Address: HN-137 GN-1 2nd Floor,
Gopal Park Ram Nagar Ext, Delhi-110051





रस्म गैर मुस्लिमों से आई है इसलिए इस रस्म को स्वीकार करना और इसमें शामिल होना जायज नहीं है। बता दें कि दारुल उलूम के इम्ताना बेवभाग से एक शख्स ने दारुल उलूम लिखत में मुफितयों से तीन सवाल पूछे थे। जिसमें शादी की तारीख बताने के लिए



को लाया था। इसने माला करने, महिलाओं द्वारा हाथ धोना, पांव की अंगुलियों में पहने जाने वाले छल्ले और मुटुटुकियों तथा मामा द्वारा दुल्हन (भांजी) को गोद में उठाकर गाड़ी या डोली में बिठाने की लेकर शरई रस्मों में शामिल नहीं थी। इसके जवाब के तौर पर मुफितयों की खंडपीट की गई कि शादी में अनावश्यक रस्मों की तरह डोली उठाकर भेजने की रस्म गैर मुस्लिमों से आई है। इस रस्म को करना और इसमें शामिल होना जायज नहीं है। साथ ही मामा द्वारा भांजी को गोद में उठाकर डोली में बिठाने की रस्म पर कहा कि माया मैदम है।